120th Founding Day Celebration of Akhil Bhartiya Kshatriya Mahasabha on 23 October 2016 at Mavalankar Hall, Rafi Marg, New Delhi

ऐतिहासिक रहा दिल्ली मेंआयोजित अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का 120वां स्थापना दिवस समारोह अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा जिसकी स्थापना 19 अक्टूबर सन् 1887 ई0 को अवागढ़ के राजा बलवंत सिंह जी और उनके सहयोगी संस्थापक ठाकुर उमराव सिंह जी कोटला एवं राजर्षि राजा उदयप्रताप सिंह जी बिसेन ,भिंगा ने उस समय लखनऊ में की थी जिसका 120वां स्थापना दिवस दिनांक 23अक्टूबर 2016 को बहुत ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ नई दिल्ली में मावलंकर हॉल , पार्लियामेंट क्लब में, रफ़ी मार्ग पर मनाया गया। इस आयोजन में देश के 20 प्रांतों के राजपूत सरदारों के साथ -साथ 3 पड़ोसी देशों ,नेपाल ,वर्मा ,म्यंम्यार के राजपूत सरदारों ने भी भाग लिया ।इस कार्यक्रम में माननीय राजा दिग्विजय सिंह जी , राघोगढ़ (मध्यप्रदेश) एवं महाराजा रघुवीर सिंह जी सिरोही (राजस्थान) मुख्य अथिति ,बिशिष्ट अथितियों में प्रातः स्मरणीय वीर शिरोमणी हिन्दुस्तान के गौरव हिंदुआ सूरज महाराणा प्रताप के वंशज राजा रावत युगप्रदीप सिंह जी हमीरगढ़ (राजस्थान) ,ठाकुर गुलचैन सिंह जी चड़क पूर्व मंत्री ,जम्बू कश्मीर ,युवराज अम्बरीष पाल सिंह जी अवागढ़ (एटा,उत्तरप्रदेश) , युवराज केशरी सिंह जी वांकानेर (गुजरात) , राजकुमार विक्रमादित्य सिंह जूदेव एवं उनकी धर्म पत्नी जसपुर ,छत्तीसगढ़ , मेजर चंद्रकांत जी कोटला , (फिरोजावाद ,उत्तरप्रदेश)ठाकुर पृथ्वीसिंह जी बाड़मेर ,रानी महेंद्र कुमारी जी बस्सी ,कुंवर प्रदीप सिंह जी सिंगरौली विधायक ,श्री श्याम सिंह जी राणा ,मंत्री हरियाणा सरकार ,कर्नल देवेन्द्र सिंह जी एवं अन्य सम्माननीय राजपूत सरदार शामिल हुये ।आयोजन की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष महाराजा दिग्विजय सिंह जी वांकानेर ,पूर्व केंद्रीय मंत्री ने की एवं मंच संचालन संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री अनिल सिंह जी चंदेल इंदौर ने किया ।सर्व प्रथम संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सम्माननीय श्री महेंद्र सिंह जी तंवर साहिब ने देश के सभी प्रांतों से पधारे हुये सभी सम्माननीय राजपूत आगन्तुक सरदारों का परिचय दिया और स्वागत सिमित के अध्यक्ष डा0 हरेन्द्र सिंह जी राणा एवं उनके सभी टीम के सदस्यों ने सभी अथितियों का फूलमालाओं से स्वागत किया। आयोजन में सर्व प्रथम पधारे हुये सभी सम्माननीय अथितियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप ,वीर शिवाजी , अंतिम हिन्दू सम्राट पृथ्वीराज चौहान,संगठन के संस्थापक राजा बलवंत सिंह जी अवागढ़ , सह -संस्थापक राजा उदय प्रताप सिंह जी बिसेन एवं ठाकुर उमराव सिंह जी की तस्वीरों पर फूलमालाएं पहनाकर आयोजन की विधिवत शुरुआत की गयी ।

आयोजन में सबसे पहले हमारे संगठन की सक्रिय पदाधिकारी बहिन सीमा राणा ने वीरांगना क्षत्राणियों के समाज के गौरव बढ़ाने में त्याग व् बलिदान की गाथा में झांसी की रानी और हाडी रानी का जिक्र किया ।भाई ऐ0 पी 0 सिंह वकील साहिब ने अपने बहुत ही ओजस्वी सम्बोधन से समाज के युवाओं को जागृत करने की बात कही तथा सभी राजपरिवार के महानुभावों से आग्रह किया कि वे समाज के उत्थान में अपना योगदान देकर समाज को संगठित करने में अपनी भूमिका निभाएं ।भाई हरेन्द्र सिंह राणा ने अपने समाज द्वारा पलवल में महाराणा प्रताप की 15 फ़ीट ऊंची प्रतिमा लगाये जाने की बात सभी अथितियों को बताई तथा वे पलवल में राजपूत छात्राओं के लिए हास्टल व् कॉलेज बनवाने के विषय में भी जानकारी दी ।डा0 धीरेन्द्र सिंह जादौन ने राजपूतों में कैसे हो सामाजिक यूनिटी एवं शैक्षणिक उत्थान विषय पर विचार व्यक्त किये ।रावत युगप्रदीप सिंह जी हमीरगढ़ ने कहा कि अब समय आ गया है कि राजपूतों को संगठित होना चाहिए ।पुरानी गाथाओं और पूर्वजों के गुणगान करने से काम नहीं चलने वाला ।अच्छी शिक्षा प्राप्त करके देश व् समाज में अब राजपूत युवाओं को अपना स्थान ऊँचा बनाना होगा ।ठाकुर गुलचैन सिंह जी ने जम्बू कश्मीर में राजपूतों

के सेना में बलिदान का जिक्र किया ।राजपूतों ने देश रक्षा में बहुत ही त्याग और बलिदान किये है ।रानी महेंद्र कुमारी जी ने कहा अब समय के अनुसार हमें अपनी बेटियो को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाना होगा तभी समाज का उत्थान सम्भव हो सकेगा ।समाज में महिलाओं को भी बराबरी का महत्व देना होगा तभी विकास सम्भव है ।कर्नल देवेन्द्र सिंह जी ने अपने सारगर्भित विचारों में कहा कि आखिर ये राजपूत कब तक संगठित होने की बातें करते रहेंगे ।आज इस विरादरी का स्वाभिमान पहले जैसा क्यों नही ।इन सभी कारणों पर समाज के युवाओं और बुद्धिजीवियों द्वारा मंथन एवं चिंतन करना होगा तभी क्षत्रियों का विकास संभव है ।हरियाणा सरकार में मंत्री माननीय श्याम सिंह राणा जी ने भी समाज के उत्थान के विषय में अपने विचार व्यक्त किये ।जसपुर ,छत्तीसगढ़ से पधारे राजकुमार विक्रमादित्य सिंह जूदेव जी ने राजपूतों के संगठित होने की आवाज पुरे देश में उठाने की बात कही ।उन्होंने कहा कि अब देश के हर प्रान्त के राजपूत को भाई चारे की भावना आपस में पैदा करनी होगी तथा सभी को संगठित होना होगा तभी समाज का पूर्व वर्चस्व कायम होगा ।अवागढ़ के युवराज अम्बरीष पाल सिंह जी ने कहा कि हम अपने पूर्वज राजा साहिब बलवंत सिंह जी द्वारा परतंत्रता के समय मेंभी समाज के सामाजिक उत्थान ओरशैक्षणिक विकास में किये गये योगदान से गर्व महसूस करते है ।युवराज अवागढ़ ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवंउनकी कार्यकारिणी से आग्रह किया कि भविष्य में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के स्थापना दिवस का आयोजन इस संगठन के संस्थापक राजा बलवंत सिंह जी की जन्मभूमि एवं कर्मभूमि अवागढ़ -आगरा में हो ।सभी राजपूत सरदारों एवं अथितियों ने ताली बजाकर युवराज अवागढ़ के प्रस्ताब का अनुमोदन किया ।माननीय राजा दिग्विजय सिंह जी राघोगढ़ (मध्यप्रदेश) ,ने अपने बहुत ही ओजस्वी एवं सारगर्भित विचारों से क्षत्रिय समाज को आज के परिवेश में जीने और विकास करने का सुझाव दिया । आज समाज को संगठित होना होगा तथा एक दूसरे की आलोचना और नीचा दिखाने की प्रवर्ति को छोड़ना होगा ।उन्होंने कहा समय बदल गया है पूर्व की गौरव गाथाओं और पूर्वजों के द्वारा किये गये त्याग ,बलिदान ,गौरव ,वीरता ,साहस ,स्वाभिमान ,शौर्यता आदि का गुणगान गाकर हम अपना और अपने समाज का उत्थान नही कर सकते ।हमें अब समय के अनुसार अपने समाज में व्याप्त कुरीतियों का भी निराकरण करना होगाऔर समाज की बेटियों और युवाओं को अच्छी शिक्षा ग्रहण करके समाज का नाम रोशन करना होगा ।उन्होंने इस संगठन द्वारा पूर्व में भी समाज हित में किये गये कार्यों की सराहना तथा रीयल संगठन यही होने की भी पुष्टि की ।उन्होंने अपने उदबोदन में कहा कि राजनैतिक नेताओं को संगठन में पदाधिकारी नही बनाना चाहिए ।जिस संगठन के पदाधिकारी राज नेता होंगे वह संगठन कभी भी नही चल सकता और न कभी समाज हित की बात कर सकता है ।ऐसे राज नेता पदाधिकारी समाज को मुहरा बना कर केवल अपना कद ऊँचा करने की सोचते है ।हमें समाज के संगठन के आयोजन में केवल क्षत्रिय समाज के उत्थान की बातें करनी चाहिए न की राजनीति की ।राज नेता पदाधिकारी अक्सर समाज के संगठन के मंच को राजनैतिक मंच बना देते है जिससे समाज बिखर जाता है ।
महाराजा रघुवीर सिंह जी सिरोही ने भी समाज के उत्थान और उन्नति के विषय में अपने विचारों से सभी आगन्तुकों को लाभान्वित किया ।अंत में संगठन के अध्यक्ष महाराजा दिग्विजय सिंह जी वांकानेर ने समाज को बेटियों को शिक्षित करने का सुझाव दिया और बताया कि गुजरातमें प्रत्तेक तहसील स्तर पर राजपूत कन्या छात्रावास है जिनमे रह कर ग्रामीण क्षेत्र की भी समाज की बेटियां शिक्षा प्राप्त करती है ।उन्होंने देश के कोने -कोने से पधारे हुये सभी राजपूत आगंतुकों एवं अथितियों को सादर धन्यवाद दिया ।
राजपूत समाज के सभी अथितियों तथा आगन्तुकों ने माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा महाराजा दिग्विजय सिंह जी वांकानेर ,कार्यकारी अध्यक्ष श्री महेंद्र सिंह जी तंवर तथा उनकी सम्पूर्ण कार्यकारिणी एवं व्यवस्थापक मंडल को आयोजन की ऐतिहासिक सफलता की सराहना करते हुये तहे दिल से

बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की तथा देश के सभी प्रांतों और पड़ोसी देशों से पधारे हुये सभी राजपूत सरदारों ने कहा इसी संस्था ने संगठन का 100वां स्थापना दिवस भी मनाया था और राजपूतों में नव चेतना लाने हेतु कन्या कुमारी से लेकर जम्बूकाश्मीर होते हुये सम्पूर्ण देश में रथ यात्रा निकाली थी जिससे इस संगठन के समाज हित में योगदान की पुष्टि होती है ।आरक्षण तथा अन्य बहुत से मुद्दों पर इस संगठन ने राजपूतों की आवाज भी उठाई है , दिल्ली में बड़े बड़े धरने भी समाज के हित के लिए किये है ।इस वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर दिनांक 23अक्टूबर 2016 को पुनः संगठन का 120 वां स्थापना दिवस मनाया तथा संगठन के संस्थापक ,सह -संस्थापकों और अन्य समाज सेवी महापुरुषों के परिजनों को इस अवसर पर आमंत्रित करके उनको भी सम्मानित किया गया जो कि एक सामाजिक सौहाद्र तथा राजपूती परम्परा की अनूठी मिसाल कायम की जो कि एक रीयल राजपूती संगठन होने की निशानी है सभी पधारे हुये क्षत्रिय बंधुओं ने ऐसा अपना मानस व्यक्त किया और संगठन के संस्थापक एवं सह-संस्थापकों को नमन किया जिन्होंने क्षत्रिय समाज के सामाजिक उत्थान और शैक्षणिक विकास में अपना अतुलनीय एवं स्मरणीय योगदान दिया जिसको समाज हमेशा याद रखेगा ।जय हिन्द ।

Mahender Singh Tanwar National Working President in his address declared that the next year i.e. 2017 will be the Education Year and in particular education of the girls and empowerment of the women and akhil bhartiya kshatriya mahasabha will associate muslim and sikh rajputs in the mahasabha and strengthen the organization in the seven sister states of north east of India. He further declared that ABKM will launch a nation wide movement for reservation on economic basis rather than on cast basis. He further declared that the next founding day will be celebrated at the national level on 22 October 2017 at Delhi.

The resolution regarding the above said program was unanimously passed by the house. Raja Saheb Shri Digvijay Singh Raghogarh Former Chief Minister Madhya Pradesh and General Secretary AICC declared that the ABKM preside over by Maharana Raje Saheb Dr. Digvijay Singh Wankaner is the real old mahasabha which was founded by Raja Balwant Singh Awagarh, Raja Umrao Singh Kotla and Raja Uday Pratap Singh Bhinga and presided over by a number of great Rajas and Maharajas including Maharawal Luxman Singh Dungarpur who handed over the command to Maharana Raje Saheb Dr. Digvijay Singh Wankaner. He further appealed to other sabha's to merge with this sabha in the interest of Kshatriya Unity in the country. He further said that Bela Sati Shakti Mandir Jhandewalan New Delhi should be taken over by the Samaj and should be developed under the leadership of Maharana Raje Saheb Dr. Digvijay Singh Wankaner National President of ABKM and Mrs. Anjana Kanwar President of ABKM Delhi State.